RNI No. MPENG/2013/50212

SAIMS

SRI AUROBINDO INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

SAIMS TIMES

Volume 09 Issue - 09 Monthly January 2022 Page-18 Rupees - 5

SAIMS TIMES

Hon. Governor Shri Mangubhai Patel visits Sri Aurobindo University on 21 Dec. 2021

Inaugral Ceremony by Governor

Governor's Visit at Simulator Lab

Lamp Lightning Ceremony

Faculties in Laser Auditorium

महामहिम राज्यपाल का कार्यक्रम में संम्बोधन – श्री मंगूभाई पटेल

मंच पर आसीन श्री अरबिन्दो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के संस्थापक डॉ. विनोद भण्डारी जी, श्री अरबिंदो युनिवर्सिटी की कुलाधिपति श्रीमती डॉ. मंजूश्री भंडारी, हमारे युवा चिकित्सक विश्वविद्यालय के प्रो–चांसलर डॉ. मोहित भण्डारी, डॉ. महक भण्डारी, विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. ज्योति बिंदल, एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी चिकित्सकों, शिक्षकों, अतिथिगणों एवं मेडिकल के समस्त छात्रों को मेरा अभिवादन।

पिछले माह आपके विश्वविद्यालय में ''कोविड–19'' जैसे प्रासंगिक विषय पर आपकी संस्था द्वारा सेमिनार आयोजित किया गया था। जिसका आमंत्रण मैं अत्याधिक व्यस्तता के कारण स्वीकार नहीं कर सका था। इस बार जब डॉ. भण्डारी जी से मुझे संस्था में पुनः कार्यक्रम में उपस्थित होने का न्यौता मिला तो मुझे अत्याधिक प्रसन्नता हुई। मुझे बहुत गर्व है कि निःस्वार्थ सेवाभाव रखने वाली देवी अहिल्या की पावन नगरी में विश्वस्तरीय शिक्षण के साथ–साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी बडे ही उन्नत कार्य किये जा रहे हैं।

विगत 2 वर्षों से हमारा देश ही नहीं अपितु पूरा विश्व कोरोना महामारी से जुझ रहा है। ऐसी महामारी का सामना हम सभी ने अपने जीवन में पहली बार किया है, जिसमें हमारे डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल स्टाफ इत्यादि फ्रंटलाईन योद्धा के तौर पर एक नई छवि में उभर के आये है। मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम कोविड के उपचार में कारगर साबित हुई ''प्लाज्माथेरेपी'' भी आपके श्री अरबिन्दो अस्पताल में ही की गयी थी। मैं श्री अरबिन्दो अस्पताल के सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ को हृदय से धन्यवाद देता हूं कि इस प्रकार की विषम परिस्थितियों में भी आप सभी अपने कर्तव्य पर डटे रहे और आमजन को स्वास्थ्य लाभ देने के लिये आपने यथा संभव प्रयास किये। मैं आज प्रदेश के उस अस्पताल प्रांगण में हूँ जिसमें कोरोना महामारी में सर्वाधिक कोविड संक्रमित मरीजों का सफलतम उपचार किये गये हैं। मुझे यह भी ज्ञात हुआ कि विभिन्न प्रकार के वायरसों एवं जीन की गहन जॉचों के लिये प्रदेश में पहली ''जिनोम सिक्वेंसिंग मशीन'' भी आपके ही अस्पताल में लगायी गयी है और आज चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ को ट्रैनिंग देने हेतु ''सिमुलेटर लैब एवं एक्मो एकेडमी'' का शुभारंभ किया गया है। मुझे आपके द्वारा किये गये सराहनीय कार्यों पर गर्व है। आज जो भी लोग इस महामारी से बचे हुए है या बचायें गये है इसमें सबसे बड़ा योगदान आप सभी का है जिसे मानवजाति सदैव याद करती रहेगी और यह भी सत्य है कि इस महामारी में इन्दौर के श्री अरबिंदो समूह द्वारा सर्वप्रथम आगे आकर मानवजाति के प्राणों की रक्षा के लिये आपने अपनी सारी सुविधायें कोरोना मरीजों के लिये निःसंकोच उपलब्ध करायी तथा अपने प्राणों को संकट में डाला था। आपकी इसी निःस्वार्थ मानव सेवा की वजह से हम मध्यप्रदेश ही नहीं अपितु अन्य राज्यों के लोगों का सर्वश्रेष्ठ एवं सुगम उपचार कर अनेक लोगों के प्राणों की रक्षा की। कोरोना महामारी की प्रथम एवं द्वितीय लहर आने के बावजूद भी कोरोना महामारी की तीसरी लहर का भय बना हुआ है और हमें हमेशा अपने आप को तैयार रखना है जिससे कि कभी भी पहले जैसी आपातकालीन स्थिति फिर से न आ सके। आपकी इस ''सिमुलेटर लैब एवं एक्मो एकेडमी'' से निश्चित ही प्रदेश के चिकित्सकीय ढॉचे को सुदृढ करने में मदद मिलेगी।

वर्तमान में हमारे समाज को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के साथ एवं विश्वस्तरीय आधुनिकतम तकनीकों से परिपूर्ण जॉचों की आवश्यकता है। साथ ही साथ चिकित्सा क्षेत्र में रिसर्च को बढावा देने की अत्याधिक आवश्यकता है। मुझे अत्याधिक प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार ''सिकल सेल एनिमिया'' जैसे प्रोजेक्ट पर मध्यप्रदेश के अग्रणी समूह श्री अरबिन्दो विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्रदेश में पहली बार उपलब्ध सेंट्रल लैब को अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित करते हुए विश्वस्तरीय लैब के रूप में विस्तारित किया है। जैसा कि डॉ. भण्डारी ने यह बताया कि सिकल सेल एनिमिया के सर्वाधिक मरीज मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल्य के जिलों से ही आता है ऐसे में हमारे इंदौर में इस प्रकार के प्रोजेक्ट से निश्चित ही इन मरीजों के बेहतर उपचार एवं जॉचों में चिकित्सकों को मदद मिलेगी। मुझे जब डॉ. विनोद भण्डारी जी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी तो मुझे इस बात की बेहद प्रसन्नता हुई कि मध्यप्रदेश में इस प्रकार के विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट की शुरूआत हो रही है। इस उपलब्धि के लिये मैं संपूर्ण समूह को एवं विशेष रूप से डॉ. विनोद भण्डारी एवं उनके पूरे परिवार को बधाई देता हूँ कि आपके श्री अरबिंदो समूह द्वारा चिकित्सा शिक्षा एवं जनसामान्य के उपचार के क्षेत्र में जिस प्रकार रोबोटिक सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, बेरियाट्रिक सर्जरी, न्यूरो, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिये नवीनतम एवं विश्वस्तरीय तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है एवं जिस उद्देश्य के साथ आप कार्य कर रहे हैं निश्चित ही वह इस समूह को एवं समूचे प्रदेश एवं देश को उन्नति की ओर लेकर जावेगा और समाज के हर वर्ग के लिये बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिये नए अध्याय लिखते जावेगा।

श्री अरबिंदो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस का अत्याधुनिक चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। मध्यभारत में सर्वप्रथम पोस्ट डॉक्टोरल कोर्स जैसे डी.एम./एम.सी.एच., अनेक प्रकार के फैलोशिप प्रोग्राम आदि शुरु करने का गौरव भी आपके ही समूह श्री अरबिंदो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस को ही जाता है।

आशा करता हूं कि श्री अरबिंदो समूह निरन्तर इसी तरह समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये इसी प्रकार अग्रसर रहेगा।

आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं।

धन्यवाद।

संस्थापक डॉ. विनोद भण्डारी का संम्बोधन

मंच पर आसीन मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल जी, श्री अरबिंदो युनिवर्सिटी की कुलाधिपति श्रीमती डॉ. मंजूश्री भंडारी, प्रो–चांसलर डॉ. मोहित भण्डारी, डॉ. महक भण्डारी, कुलपति डॉ. ज्योति बिंदल, एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी डाक्टर्स, अतिथियों एवं मेडिकल के समस्त छात्रों को मेरा सादर नमस्कार। मुझे अत्याधिक प्रसन्नता है कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम और हमारे समूह की शोभा बढा दी है। आपकी उपस्थिति के लिये मेरा हृदय से धन्यवाद।

मैंनें बहुत ही छोटे अस्पताल के साथ मेरा कैरियर चालू किया था। उस समय मेरी धर्मपत्नि डॉ. मंजुश्री भण्डारी और मैंनें मिलकर एक छोटे से अस्पताल की शुरूआत इंदौर के परदेशीपुरा से की। कहते हैं सपने देखना नहीं चाहिये लेकिन मेरे पिताजी मेरे बाबूजी कहा करते थे कि सपने देखना बुरी बात नहीं लेकिन तपस्या और योजनाबद्ध कार्य करने के बाद ही वो सपना साकार हो सकता है। प्रदेश में समाज के हर वर्ग को बेहतर चिकित्सा संसाधनों और चिकित्सा शिक्षा देने के इसी सपने के साथ हमने सन 2003 में श्री अरबिंन्दो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस की स्थापना की थी। उस समय हर प्रकार की कठिनाई, चुनौतियों का सामना करते हुए भी हमने विगत 18 सालों में हर संभव प्रयास करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाऐं देने के लिये नवीनतम एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं को हमारे समूह के अस्पतालों में शुरू किया। संस्थान का उद्देश्य वाक्य ''सेवा और समर्पण हर पल हर घडी'' है जिसको साकार रूप देने के लिये पूरी टीम हमेशा तैयार रहती है।

कोविड–19 जैसी महामारी में भी हमारे श्री अरबिंदो अस्पताल ने प्रदेश में सर्वाधिक सफलतम उपचार किये, प्लाज्माथेरेपी जैसी पद्धति को हमने ही प्रदेश में पहली बार प्रयोग किया और हम सफल भी रहे। डाक्टरों, नर्सिंग, पेरामेडिकल स्टाफ एवं पूरे अस्पताल की टीम ने मिलकर इस कोविड महामारी का पूरी लगन एवं क्षमता के साथ सामना किया। जब पूरा प्रदेश महामारी से जूझ रहा था उस दौरान भी संक्रमण से बचाते हुए गर्भवती महिलाओं की प्रदेश में सर्वाधिक एवं सफल डिलेवरी हमारे श्री अरबिंन्दो अस्पताल में ही हुईं। रोबोटिक, बेरियाट्रिक एवं अन्य नवीनतम चिकित्सा पद्धतियॉ हों या जिनोम सिक्वेंसिंग मशीन, गामा कैमरा, पेट स्कैन आदि जैसी विश्वस्तरीय चिकित्सकीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, हमने हमेशा से ही प्रयास किया है कि स्वास्थ्य एवं शिक्षण के क्षेत्र में हम अग्रणी बने रहें।

मैं आज कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को यह बताना चाहूँगा कि महामहिम राज्यपाल ने उनके गुजरात प्रदेश के मंत्री पद पर रहते हुऐ भी सदैव समाज के हर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और जनजाती/आदिवासी समुदाय के लिये बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर कई योजनाओं को साकार रूप देने में अहम भूमिका निभाई है। मेरी जब महामहिम राज्यपाल जी से मुलाकात हुई एवं प्रदेश में जनजातीय समुदाय में व्याप्त ''सिकल सेल एनिमिया'' बीमारी की समस्या पर विस्तृत में चर्चा हुई। माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी अपने ड्रीम प्रोजेक्ट में इसका जिक्र किया था। ''सिकल सेल एनिमिया'' पर हुई कई रिसर्च में यह सामने आया है कि संपूर्ण भारत में सर्वाधिक सिकल सेल एनिमिया का लोड प्रदेश के 4 जिलों अलीराजपुर, अनूपपुर, छिंदवाडा एवं डिंडोरी पर ही है। प्रदेश की लगभग 10 से 30 प्रतिशत आदिवासी जनता इस बीमारी से पीडित है। इतने गंभीर विषय पर मुझे डॉ. मंजुश्री भण्डारी का साथ मिला जो खुद भी एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ हैं और हमने यह निर्णय लिया कि इस ''सिकल सेल प्रोजेक्ट'' को हम हमारे श्री अरबिंदो विश्वविद्यालय एवं श्री अरबिंदो मेडिकल कालेज में भी प्रारंभ करेंगें। महामहिम से मिली इस प्रेरणा से इस प्रोजेक्ट को हम साकार रूप दे रहे हैं जिसमें हम पहले डाइग्नोसिस या डिटेक्शन फिर ट्रीटमेंट एवं इस बीमारी की रोकथाम हेतु चरणबद्ध तरीके से कार्य करेंगें।

भाुरूआत में हम आदिवासी बाहुल्य के अस्पतालों, चिकित्सकों, आयुष चिकित्सकों, नर्सिंग, सहचिकित्सकीय ढॉचे एवं एनजीओ आदि की मदद से इन मरीजों की समय से स्क्रीनिंग पर जोर देंगें ताकि हम उन्हें बीमारी की शुरूआत में ही जॉच हो सके। इसी क्रम में इन सभी मरीजों का बेहतर उपचार समय रहते किया जा सकेगा।

इन सभी चिकित्सकों, आयुष चिकित्सकों, नर्सिंग, सहचिकित्सकीय ढॉचे एवं एनजीओ आदि के प्रतिनिधियों को श्री अरबिन्दो विश्वविद्यालय द्वारा विश्वस्तरीय चिकित्सा तकनीकों, ब्लड सेंपल कलेक्शन, मरीजों की उचित काउंसलिंग की ट्रैनिंग एवं अन्य सहायता भी प्रदान की जावेंगीं। इस प्रोजेक्ट के प्रशिक्षण में इस बीमारी की अनुवांशिकता एवं पीढी दर पीढी चलन को रोकने के लिये मरीजों के विवाह पूर्व की काउंसलिंग एवं जागरूकता पर विशेष रूप से कार्य किया जावेगा। कुछ चिन्हित क्षेत्रों में ''सिकल सेल एनिमिया क्लीनिक'' की भी शुरूआत हम इस प्रोजेक्ट में करेंगें। साथ ही प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इंडिया प्रोजेक्ट को चिकित्सा क्षेत्र में समाहित करते हुए श्री अरबिंदो विश्वविद्यालय के अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा ''टेलीमेडिसिन एवं सेटेलाईट क्लीनिक'' के माध्यम से भी उपचार किया जा सकेगा।

इस कल्याणकारी योजना में सीएसआर एवं शासकीय योजनाओं, रेडक्रॉस सोसायटी एवं श्री अरबिंन्दो विश्वविद्यालय से भी समान सहयोग के साथ कार्य करेंगें। साथ ही साथ श्री अरबिंदो समूह में उपलब्ध विश्वस्तरीय तकनीकों पर आधारित मशीनों के माध्यम से मरीजों की एडवांस स्क्रीनिंग, न्यूबोर्न स्क्रीनिंग, फीटल मेडिसिन आदि प्रक्रियाऐं भी करेंगें। बीमारी से बचाव के लिये आदिवासी क्षेत्रों में एनजीओ एवं वालिंटियर्स के माध्यम से जागरूकता एवं प्रचार प्रसार का कार्य करेंगें। यदि प्राथमिक तौर पर उपचार संभव नहीं होता है तो श्री अरबिंन्दो अस्पताल में एडवांस ट्रीटमेंट भी किया जावेगा। हमारे लिये यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार ''सिकल सेल प्रोजेक्ट'' का शुभारंभ महामहिम राज्यपाल महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में हमारे श्री अरबिंदो विश्वविद्यालय में किया जा रहा है।

समूह प्रबंधन का यह सदैव प्रयास रहा है कि वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यक्ताओं का उचित ऑकलन करते हुए नवीनतम एवं उन्नत तकनीकों को उपलब्ध कराना हमारा सर्वप्रथम कर्तव्य है। जिनोम सिक्वेंसिंग मशीन हो, एक्मो हो या गामा कैमरा, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी हो या रोबोटिक सर्जरी या डाक्टरों/स्टुडेंट्स की ट्रैनिंग हेतु स्किल लैब यह सभी सुविधाऐं हमारे समूह में उपलब्ध हैं। शिक्षण क्षेत्र में भी मध्यभारत में पोस्ट डॉक्टोरल कोर्स जैसे डी.एम./एम.सी.एच. अनेक प्रकार के फैलोशिप प्रोग्राम आदि शुरुआत भी श्री अरबिंदो समूह ने ही की है। मैं महामहिम राज्यपाल जी को यह अवगत कराना चाहूँगा कि हमारे समूह में सर्वप्रथम ''इंटीग्रेटेड मेडिसिन विभाग'' की भी स्थापना की गयी है जहॉ पर एलोपेथी के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए आयुर्वेद, योगा, होम्योपेथी, नेचुरोपेथी एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों के समावेश से बेहतर उपचार के साथ साथ रिसर्च को भी बढावा दिया जावेगा।
मैं महामहिम राज्यपाल एवं आप सभी को समूह प्रबंधन की ओर से यह आश्वस्त करता हूँ कि भविष्य में भी हमारे समूह द्वारा नवीनतम एवं अत्याधुनिक तकनीकों एवं क्रियाकलापों से समाज एवं प्रदेश के विकास के लिये कार्य किये जाते रहेंगें।
इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।
धन्यवाद।

कुछ शब्द – चांसलर डॉ. श्रीमति मंजूश्री भण्डारी, श्री अरबिंदो युनिर्विसिटी, इन्दौर

गुड मार्निंग ऑल!

हमारे मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल जी, सेम्स के संस्थापक डॉ. विनोद भण्डारी जी, श्री अरबिंदो यूनिवर्सिटी के प्रो–चांसलर डॉ. मोहित भंडारी, डॉ. महक भंडारी, श्री अरबिंदो यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. ज्योति बिंदल मेडम एवं कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्य अतिथि, डॉक्टर्स एवं विद्यार्थियों का मैं श्री अरबिन्दों यूनिवर्सिटी एवं भण्डारी अस्पताल समूह परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत करती हूं, अभिनंदन करती हूँ।

हमारे आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता महामहिम राज्यपाल माननीय श्री मंगुभाई पटेल जी कर रहे हैं। इनका बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं आर्शीवाद हमें प्राप्त होता रहा है और ''सिकल सेल प्रोजेक्ट'' भी इन्हीं की दिव्य प्रेरणा के कारण हमारे संस्थान में साकार रूप ले रहा है जो कि संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिये एक बडी सौगात होगी। यह हमारे लिये गर्व का विषय है कि इस प्रकार के विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट का शुभारंभ श्री अरबिंन्दो विश्वविद्यालय में महामहिम राज्यपाल के करकमलों से हो रहा है।

मैं आपको अत्यंत विनम्रतापूर्वक और गर्व के साथ यह भी बताना चाहती हूँ कि पिछले दो दशकों से हमारा सेम्स समूह सदैव सेवा, ज्ञान एवं समर्पण की भावना के साथ मानव सेवा हेतु निरंतर प्रयासरत है और सदैव प्रयास करता रहेगा। संस्थान सदैव विभिन्न शासकीय योजनाओं में शासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये अत्यंत रियायती दरों पर भर्ती मरीजों को **World class & affordable treatment** एवं **Diagnostic facilities** उपलब्ध करा रही है। इस हेतु मैं संस्था के समस्त चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को हृदय से आभार प्रदर्शित करती हूँ।

श्री अरबिन्दों इंस्टिट्यूट ने अपने स्थापना से ही स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में शोध को प्रोत्साहन दिया है। प्रदेश के चिकित्सा ढॉचे को मजबूत करने के लिये और कोविड जैसी महामारी का डट कर मुकाबला करने के लिये हमारे संस्थान में बनाई जा रही ''सिमुलेटर लैब एवं ऐक्मो एकेडमी'' अत्यंत कारगर सिद्ध होगी।

हमारे संस्थान ने अपनी स्थापना से ही यह प्रयास किया है कि हम चिकित्सा शिक्षा एवं उपचार के क्षेत्र में नवीनतम प्रयोगों एवं अत्याधुनिक पद्धतियों को हमारे संस्थान में प्रयोग में लाऐं और समाज को बेहतर सुविधाऐं मुहैया करवा सकें।

Vision is the bigger picture. जीवन में आपका वीजन के साथ–साथ एक्शन भी होना जरूरी है। सपने सभी देख सकते हैं लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिये ''एक्शन प्लान'' भी उतना ही जरूरी होता है। हमें यह गर्व है कि हमारे सपनों को साकार रूप देने के लिये और एक्शन प्लान के अनुरूप कार्य करने के लिये हमारे पास बेहतर एवं अनुभवी टीम और संसाधन उपलब्ध हैं। आज श्री अरबिंदो परिसर में विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा ही नहीं अपितु विश्वस्तरीय उपचार एवं जॉचों की अत्याधुनिक सुविधाऐं भी उपलब्ध हैं। आज हमारे अस्पतालों में एक ही छत के नीचे समस्त विश्वस्तरीय उपचार सुविधाऐं हम मुहैया करा पा रहे हैं। हमारे शैक्षणिक संस्थानों से हम बेहतर चिकित्सक, नर्सिंग और पेरामेडिकल स्टॉफ आदि को तैयार कर रहे हैं।
मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि श्री अरबिन्दो यूनिवर्सिटी में हम भविष्य में भी इसी प्रकार नवीनतम एवं अत्याधुनिक सुविधाऐं मुहैया कराते हुए समाज के हित में सतत् कार्य करते रहेंगें।
एक बार पुनः महामहिम राज्यपाल महोदय की गरिमामयी उपस्थिति के लिये हृदय से धन्यवाद एवं आप सभी का बहुत–बहुत का आभार।
धन्यवाद।
जय हिन्द।

Hon. Governor Kerela - Shri Arif Mohammad Khan visits Sri Aurobindo University on 07 Jan. 2022 in National Educational Policy 2022 Program in association with Free Press

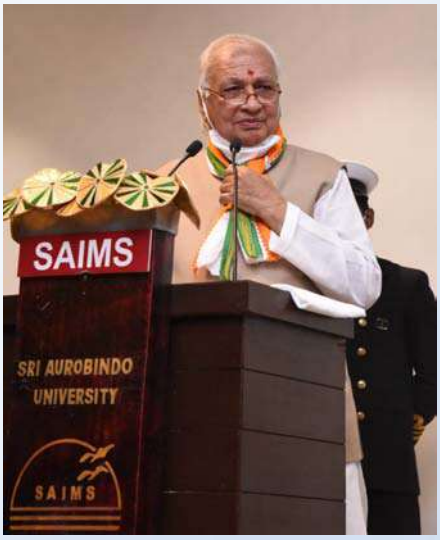

Shri Arif Mohammad Khan
Hon. Governor Kerela

Dr. Manjushree Bhandari
Chancellor, SAU

Dr. Mahak Bhandari
Pro - Chancellor, SAU

Congratulations
Dept. of Surgery

Dr Nikita Chaudhary has been Awarded with First prize in ASICON 2021

Dr. Sapna Congratulations many for poster award in ASI CONF 2021

Dr.Ali Abbas won third prize in Poster Presentation at ASI conference 2021.Many Congratulations Ali.

Dr. Dilip Acharya as a Chairperson at VIRTUAL ASICON 2021.

Rolling Achivements

Dr. Praveen Arora, Professor and Head, Department of **Forensic Medicine** and Toxicology, was invited as Keynote Speaker in National Virtual Conference 'Dentopharm-21' organized by the Department of Pharmacology, Sree Balaji Dental College and Hospital, Bharath Institute of Higher Education and Research (Deemed to-be University), Chennai on 22nd December 2021. He delivered talk on 'Ethical Aspects in Covid-19 Pandemic'.

Dept. of Othopaedics

It's a proud moment from our Department of Orthopaedics as Prof Dr Pradeep Choudhary (Head of Department) SAMC & PGI have been selected as Sector editor in "Indian Journal Of Orthopaedics" in the Arthroplasty section recognized by Indian Orthopaedic Association .
The Indian Journal of Orthopaedics (IJO) (ISSN 0019- 5413) is the official publication of the Indian Orthopaedic Association (IOA) and is published on monthly basis. The journal was first published on June 1, 1967, and now reaches to over 11000 members of IOA, making it one of the most reading surgical speciality journals in South-East Asia. It is one of the most widely read surgical sub-specialty journal from South-East Asia.

66th Annual conference "IOACON 2021"

Another milestone achived by the Department of Orthopedics , SAIMS ,Indore At 66thAnnual conference IOACON 2021 held at Dr Shyama Prasad Mukherjee stadium Goa, from 21st to 25th December 2021 in which Prof. Dr Pradeep Choudhary ,Head of Department of Orthopaedics SAMC & PGI were invited as a guest speaker and presented a faculty lecture on "Current concept in management of terrible triad injury of elbow" .

It was the annual national conference with all the known dignitaries of the orthopaedics over the nation, there was so much of knowledge combined at one place and lots of healthy discussions. Faculty from each and every specialty contributed there role in the conference.

जन जागरुकता अभियान कम्युनिटी मेडिसिन विभाग 07 जनवरी 2022

श्री औरबिंदो अस्पताल की अनुकरणीय पहल ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन से बचने के लिए चलाया जा रहा अभियान

वैनिक मधुर इंडिया
इन्दौर संभागीय ब्यूरो
राजेश चौहान

इन्दौर औरबिंदो अस्पताल की अनुकरणीय पहल इंदौर जिला कलेक्टर श्री मनीष सिंह एवं औरबिंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ.विनोद भंडारी वाइस प्रेसिडेंट डॉ.मंजूश्री भंडारी के निर्देश पर 6 जनवरी को पालिया पंचायत में जागरूकता अभियान के अंतर्गत औरबिंदो अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ.अजीत देशपांडे डॉ.सोनिया तिवारी डॉ.ईमानदार मैडम डॉ.मयंक,राहुल डॉ.हर्षल गुप्ता डॉ.अपूर्व ठाकुर एवं हेल्थ इंस्पेक्टर कमल गोस्वामी एवं

एमबीबीएस के डॉक्टर्स द्वारा जागरूकता अभियान आयोजित कर घर घर जाकर परिवारों व आमजन को समझाइश दी गई डॉ.एवं प्रोफेसरों द्वारा घर घर जाकर नया कोरोना का नया वेरिएंट ओमीक्रोन से कैसे बचा जा सकता है।यह जागरूकता अभियान के अंतर्गत सबको बताया व सभी डॉक्टर्स द्वारा पालिया गांव में पारिवारीक सर्वेक्षण एवं जागरूक करने हेतु एक छोटी सी पहल की गई, जिसमे घर घर जाकर लोगो का स्वास्थ्य निरिक्षण एवं उनसे कुछ सामान्य जानकारी ली गई जैसे परिवार में कितने सदस्य है,उनका रोज का आहार,बच्चो का टीकारण,गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य,बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं परिवार में जनरल समस्या हेतु जानकारी दी गई। इसके अलावा लोगो को कोरोना और ओमिक्रोन से बचाव हेतु विभिन्न जानकारीयां भी दी गई जैसे मास्क का प्रयोग,दो गज की दूरी,सैनिटाइजर का प्रयोग, साबुन पानी से हाथ धोना,हल्का बुखार,सर्दी या खांसी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क और विशेष तौर से टीकाकरण पर ध्यान देना कि कोई भी छुटे नहीं। औरबिंदो अस्पताल के डीन डॉ.बावरे सर ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है!

श्री अरबिंदो अस्पताल के चेयरमेन डॉ.विनोद भण्डारी च चॉसलर डॉ.मंजूश्री भण्डारी के निर्देश पर 6 जनवरी 2022 को पालिया पंचायत में जागरुकता अभियान किया गया । जिसमें की एम.बी.बी.एस. के छात्रों ने घर घर जाकर लोगों का पारिवारिक सर्वेक्षण किया उन्हें अच्छे स्वास्थ्य के लिए कई बाते बताई तथा करोना एवं ओमिक्राण से बचाव करने के लिए एक छोटी सी पहल की गई । यह पूरा कार्यक्रम कम्यूनिटी मेडिसन के विभाद्यक्ष्य डॉ. देशपाण्डे के निरिक्षण में आयोजित किया तथा डॉ.ईमानदार, डॉ.सोनिया तिवारी, डॉ. मयंक राहुल, डॉ.हर्षल गुप्ता, डॉ. अपूर्व ठाकुर एवं हेल्थ इंस्पेक्टर कमल गोस्वामी की सहायता से यह प्रोग्राम सफल हुआ ।

राष्ट्रीय अटल गौरव अवार्ड -2021

भोपाल के रविन्द्र भवन में नेत्र जागरुकता अभियान के लिए गरिमापूण कार्यकर्म में विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरिश गौतम, कैबिनेट मंत्री श्री शैलेन्द्र शर्मा, श्री नरेन्द्र बिरथरे, श्री रमेश शर्मा एवं श्री शिवकुमार चौबे के द्वारा "श्री कमल गोस्वामी" जो एक हेल्थ इंस्पेक्टर, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में है, उन्हें समानित किया गया । इनकी सफलता हेतु हमारे चेयरमेन डॉ.विनोद भंडारी एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा बधाई दी गई ।

रौशनी की खातिर... गोस्वामी को सम्मान, सेवा हुई अटल

Sports Physiotherapy Services – State level Badminton Players

Department of Physiotherapy (IIMS and SAIMS) has provided Sports Physiotherapy and Emergency services to the state level badminton players who participated in "MP STATE JUNIOR U17/U19 RANKING BADMINTON TOURNAMENT" organized by Indore Badminton Club, Indore from 17th Dec to 21st Dec 2021. The Physiotherapy services were given under the guidance of Dr. Shekhar Modak and Dr. Jeban Daniel. The Physiotherapy team members were Dr. Rajat, Dr. Rahul, Dr. Shreya , 2 MPT Sports students and an Intern. Nursing services were managed by Nursing in charge Mr. Khyal Kushwah. During the tournament we have successfully managed many acute injuries which happened to the players during the course of play like Ankle sprain, Wrist Sprain, Tennis elbow etc. A player who got epilepsy on the ground was also well managed by Dr. Rahul timely.

All our Physiotherapy team members were appreciated by the organizers and were awarded with certificates for their commendable services.

KNOW THE DEPARTMENT
DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

"From where the people should stop appearing, at that place we just start our observation"

Head of the Department (HOD): Dr. Prachi Saban Shaw- She is Professor & Head of the Department- Practicing Microbiology since 15 years.She is also NABH Coordinator- SAIMS and HIC Officer at SAIMS as well as BHRC. She has been actively involved in BHRC from 2017 in the successful accreditation and re-accreditation of BHRC as per 5th edition. .She is also recipient of top most Geeta Chopra Bravery Award winner and only girl from MP to receive the same.

Dr. Ganesh Bhatambare: He is the Professor & he has Completed his three "Voluntary Health Service Scheme, Government of Maharashtra", in Latur district. Practicing Microbiology since 25 years.

Dr Harish Ghogare: He is the Associate Professor, successfully completed The 3T-IBHSC Training course for health science faculty by "The Indian Program of the UNESCO CHAIR IN BIOETHICS (HAIFA). Practicing as Microbiologist since 25 years.

Dr. Trupti Bajpai: She is the Assistant professor- Practicing & working as Microbiologist since more than 20 years.

Dr. Rituja Prakash: She is the Assistant Professor Practicing since 4 years.

Ms. Sonu Maity: She is Tutor- Practicing since 3 years.

Departmental Activities:

1. Organized Poster Presentation on creating awareness about Hand hygiene on 15th October 2021.
2. Organized nukkad natak at OPD Section on creating knowledge about hand washing steps & it's importance among clinicians, nurses, and other staffs in October 2021.
3. Published paper on "Evaluation of Seroprevalence of Dengue Virus infection among patients visiting a tertiary care center in Indore" in 2021.

Achievements:

1. Dr. Trupti Bajpai won Junior Scientist Award in an International conference on "Emerging challenge in Biotechnology, Human health & Environment"
2. Dr. Rituja prakash won First prize on poster presentation, Topic of "Seroprevalence of Rubella infection in women of reproductive age group in tertiary care hospital, Indore"
3. Ms. Sonu Maity awarded as "COVID Warrior" by Jawahar Foundation in 2021.

OUR FACILITIES:

Bacteriology Lab: The importance of bacteriology is undeniable in Microbiology. This section provides services to aid the diagnosis of infectious diseases related to Bacteria.

Daily more than 60 samples are been done over VITEK System, an automation technique for Antibiotic Susceptibility Testing of various kind of pathogenic bacteria. We have BACT-Alert; another automation system for detection of Bacteremia.

This section also plays an important role in Hospital infection by detecting & identifying bacteria related to Hospital acquired infections such as: Ventilator associated pneumonia; Catheter associated urinary tract infection, surgical site infection, & Central line associated Blood stream infection. We provide 24 Hours lab facility every day.

Serology & Immunology Lab: This section provides services to aid the diagnosis of infectious diseases related to both Viruses &Bacteria. Daily more than 100 samples are being done for various tests purposes. We provide total 7-8 regular tests & 9-10 Special tests, All the tests are performed by third generation ELISA (Enzyme linked Immunosorbent assay) techniques. A fully automated ELISA machine & also other automated techniques are available which help to determine faster & accurate results.

Our lab provides 24 Hours lab facility every day.

Mycobacteriology Lab: This is a very important section which provides services to diagnose TB. Here we identify & culture Mycobacterium Tuberculosis the causative agent of Tuberculosis. Fluorescence microscopy also applied in this section according to requirements.

Mycology Lab: This section deals with all pathogenic Fungi. Isolation & Identification of fungi related to various infections of different parts of the body is successfully done by microscopic & culture method. Fluorescence microscopy is also applied to identify fungal agents by the experts.

Parasitology lab: This section deals with parasites. Blood & stool samples are carefully done by experts to identify the parasite & coccidia accurately. Fluorescence microscopy is carefully done to identify parasitic egg, ova, cyst & trophozoites.

Faculty Section

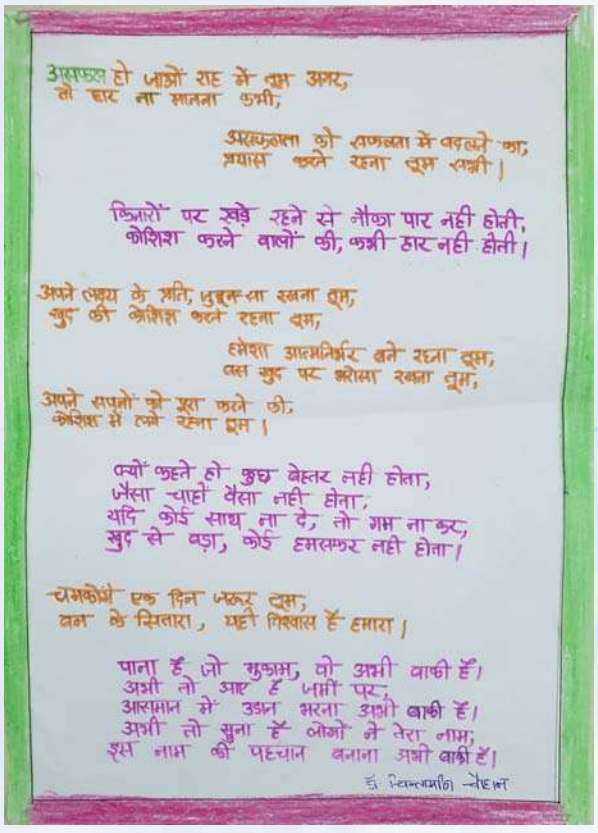

Dr. Chintamani Chouhan
Principal, SAIMS
Nursing College

Dept. of Ophthalmology

The Department of Ophthalmology conducted a Phacoemulsification cataract surgery in wet lab by the name of 'ABCD of Phaco' on 18-Dec 2021 at Passiflora Hall.The program was under the guidance of HOD and professor Dr Shreya Thatte. Event was successfully coordinated by Dr Seemee Kapadia,Dr Sonam Verma, Dr.Mamleshwari Patil and Dr.Ashima Monga. The program was graced and inaugurated by Respected Vice Chancellor Dr Jyoti Bindal and Dean Dr R.R.Wavare. It was PG life time opportunity experinces for PGs which was enthusiastically received by them across various medical Colleges. A total of 26 trainees from MGM medical College, Index Medical College,R.D.Gardi Medical College Ujjain and our own institute attended the workshop.

The workshop with a holistic approach to Phaco surgery was divided in two sessions.The morning session comprised of lectures on various steps of Phaco.The lectures were from senior experienced surgeons including Dr Shreya Thatte(HOD Professor SAMC and PGI),Dr Sudhir Mahashabde(Associate Professor Index Medical College),Dr Preeti Rawat (Professor MGM medical College) which made the lectures interesting.Lectures from in house faculty Dr Amisha Jain (Association Professor),Dr Seemee Kapadia (Assistant Professor), and Dr Pragya Prakash(Assistant Professor) dealt with indepth knowledge of the surgery.

Equipped with the knowledge from lectures the trainees moved on to afternoon session.It was fully dedicated to skill lab training.To give everyone ample time to practice, the trainees were divided in two groups.One group went to attend a lecture on mechanics and fluidics of Phaco machine(phacodynamics for nerds)and the other one for hands on training session. As we wanted the candidates to have simulation of Phaco surgery, we had some innovative ideas to accomplish the task, It included

1.Wound construction on Banana peel, oranges
2.Capsulorrhexis on paper ,tomato and grapes
3.Nucleus rotation with a 10rs coin
4.Real IOL loading and implantation counter
5.Phaco surgery on Wax Eyes

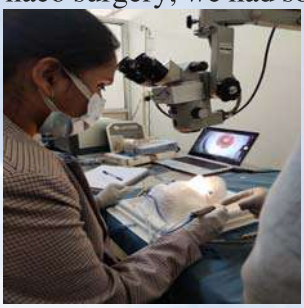

The session concluded with display of Surgical Videos operated by various surgeons of our department.We parted with a jovial certificate distribution ceremony and a promise for more similar future endeavours and on popular demand for 7 day small Phaco fellowships and Keratoplasty.

Feedback received was very encouraging.Students appreciated all the hands on counters and lectures.

Dept. of Pediatrics

As a part of further progress and development of Pediatrics department- division of **Pediatric Gastroenterology**,we have started **Pediatric endoscopy services** from 28th December 2021. This would not have been possible without the support of our founder chairman Dr Vinod Bhandari. A new milestone is achieved by Pediatric and and adolescent medicine department SAMC and PGI,Sri Aurobindo University on 15th January 2022. We have started Pediatric endoscopy and Pediatric electrophysiologal study(EEG/EMG/NCV/VEP) unit where we will be catering services from newborn to adolescent child . The inauguration was done by honourable respected Founder chairman of the institute Dr Vinod Bhandari sir and respected honourable Chancellor and chairperson of the institute Dr Manjushree Bhandari Madam. Our team hopes to do their best with constant support from you all .

A new milestone is achieved by **Pediatric and Adolescent Medicine Department** SAMC and PGI,Sri Aurobindo University on 15th January 2022. We have started Pediatric endoscopy and Pediatric electrophysiologal study(EEG/EMG/NCV/VEP) unit where we will be catering services from newborn to adolescent child . The inauguration was done by honourable respected Founder chairman of the institute Dr Vinod Bhandari and respected honourable Chancellor and chairperson of the institute Dr Manjushree Bhandari. Our team hopes to do their best with constant support from you all .

SAIMS Reported:
First Omicron Variant of Coronavirus in M.P.

People around the world are concerned about the Omicron variant of COVID-19.

From Madhya Pradesh Sri Aurobindo Medical College, Indore has firstly reported 08 new cases of Omicron Variant.

Dr. Susmit Kosta, Senior Scientist and Head of the Molecular and Virology Research & Development Lab (MVRDL) of Sri Aurobindo Medical College, Indore, has said that our lab is the first private lab from Madhya Pradesh who has the full facilities to Identify/detect the SARS- CoV-2 variant. Till now we have done more than 30 Covid-19 sequencing out of which we have found Delta variant (B.1.617.2) and its sub-lineages (AY.120, AY.43, AY.114, AY.91, AY.69 & AY.114) with this we have currently found 08 Omicron (B.1.1.529) cases. The first two were detected on 18th December, 2021 and the six were detected on 21st December, 2021. All the eight Omicron positive cases had an international travel history. All these data we have submitted to IDSP Indore, CSIR-IGIB & INSACOG hub.

Dr. Susmit Kosta
Senior Scientist and Head MVRDL, SAMC & PGI, Indore

New Born Screening Project

Sri Aurobindo has started the New Born Screening Project to screen the new born at the time of birth so that babies can be prevented from various disorders.

Newborn Genetic Screening (NGBS) is a simple procedure to find out is the baby has a congenital metabolic disorder that may lead to mental retardation and even death if left untreated. The aim of this project is to give all newborns a chance to live a normal life. It provides the opportunity for early treatment of diseases that are diagnosed before symptoms appear. It is also the first and largest example of systematic population wide genetic testing from Madhya Pradesh.

In this Newborn Genetic Screening Program, we are screening various diseases:

- Thalassemia
- Congenital Adrenal Hyperplasia
- Congenital Hypothyroidism
- Galactosemia
- G6PD (Glucose-6-Phosphate Dehydrogenase)
- Phenylketonuria (PKU)
- Sickle Cell Disease

This project has potential benefits whether the results are positive or negative for a gene mutation.

Dr. Susmit Kosta
Senior Scientist and Head MVRDL,
SAMC & PGI, Indore

VISION FOR SICKLE CELL DISEASE PROJECT

On 21st December, 2021 Advanced Central Research Lab in Sri Aurobindo Medical College, Indore was inaugurated in the presence of Honorable Governor of M.P. Shri. Mangubhai C. Patel. In his presence the Sickle Cell Anemia project was initiated by Sri Aurobindo Medical College, Indore. Prof. Dr. Harshal Gupta (Department of Community Medicine) & Dr. Anand Mishra Registrar, SAU, University, Indore presented the project on Sickle Cell Anemia in front of the Honorable Governor Mangubhai C. Patel in which they mentioned about the importance of the Sickle Cell Project in M.P.

Target group : Sri Aurobindo has planned to address it upfront by screening the Tribal Population of Madhya Pradesh the target group of this program. But any person suffering from Sickle Cell Anemia is main beneficiary of this program.

Goal

- No Child birth with Sickle Cell Disease by 2022.
- Prevention of death from Sickle Cell Anemia.
- To improve health status and quality of life of Sickle Cell Anemia patients.
- Activities Carried Out in Program
- Mass Screening by interested, qualified and competent outsourcing agencies covering Children, Adolescent and Geriatric age group
- Antenatal Screening
- Prenatal diagnosis
- New Born Screening
- Necessary Lab investigations
- Counselling, Treatment and Follow up.

A Study has shown that there is an urgent need of suitable intervention policies for prevention and management of sickle cell disease in tribal districts of Madhya Pradesh. The tribal population here need to be educated regarding sickle cell disease and thalassaemia through initiation of prevention programme at state level. The facilities for prenatal diagnosis and management of these disorders are to be established at grass root level. Phase-wise Implementation of Project in Sickle cell Belt of Madhya Pradesh.

Before implementation of the application in all the blocks of Tribal districts of Madhya Pradesh, Phase 1 Project will be carried out at Alirajpur, Jhabua, Barwani, Dhar, Khargoan, Khandwa, Harda, Ujjain, Mandsaur, Neemah, Narsimhpur, Sagar, Ratlam, Dewas, Indore.

After successful implementation of Phase 1 we will implement Phase 2.

- Proposed is to start a SCD Clinic in already established Community Health Centres in each Blocks of Tribal districts of Madhya Pradesh.
- These SCD Clinic shall work in collaboration with Sri Aurobindo Institute of Medical sciences to provide continuity of care to patients with sickle cell disease. A dedicated full time Senior Technician cum counsellor to be appointed at Community health centres of selected districts.
- Multipurpose Health Worker (The In-charge of Subcentres) Incentives for working for this Project will be provided by SAIMS to get help in this project at Grass-root level
- IQAC for data compilation and analysis at SAIMS is to be established.

Dr. Susmit Kosta
Senior Scientist and Head
MVRDL, SAMC & PGI, Indore

Dr. Anand Misra, Registrar, SAU
Dr. Harshal Gupta, Prof. PSM, SAIMS

Case Report 1

TITLE: MASSIVE HEMOTHORAX AND RETROPERITONEAL HEMATOMA IN AN ADOLOSCENT: A SURGEON'S NIGHTMARE

Authors- Dr. Advait Prakash, Dr. Anubhav Jain, Dr. Gaurav Verma, Dr. Rohit Harchandani Dr. Nishant Bhargava, Dr. Swati jain

Seventeen year old male, presented to SAIMS emergency with complaints of Pain in Right lumbar region since 6 days and a bruise over the Right lumbar region since 3 days .

Prior to this the patient went to a tertiary care hospital in Ujjain with same complaints 3 days back, where preliminary blood investigations and an Ultrasound of the abdomen was done. Patient was admitted in Critical Care Unit for 2-3 days. Patient was diagnosed to have Severe anemia with a Hb of 3.5 gm% for which patient received multiple (two) blood transfusions, following which Hb increased to 5 gm%. On Ultrasound abdomen, patient was diagnosed to have Retroperitoneal hematoma for which surgical exploration was planned. Patient was not willing for the same and hence presented to SAIMS hospital, Indore.

On detailed history, the patient started experiencing pain in the right side of the abdomen six days back. Pain was insidious in onset, gradually increasing, mild to moderate in intensity, dull aching character, radiating to right lower back and right lower limb. It got exacerbated by movements and partially relieved by taking analgesic medication and rest. It was associated with one episode of non- bilious, non-projectile vomiting 6 days back . On further enquiry, patient gave a history of suspicious trivial blunt trauma abdomen 6 days back.

Patient developed bluish discoloration over the right side abdomen since last 3 days which was initially small but gradually increased to attain a size of approx. 5 by 5 cms. The lesion was mildly tender but non-blanching.

There was no history of loss of consciousness, ENT bleeding, headache or any seizure episodes. There was no history suggestive of respiratory distress, fever, burning micturition, hematemesis, hematuria, bleeding per rectum. The patient, however, had similar episode of Bruising after trivial trauma in the past.

On Initial examination at the time of admission, patient's general condition was poor with severe pallor, hypotension, and tachycardia along with tachypnoea and mild hypoxia. On systemic examination, air entry present was slightly decreased on right lung middle zone and lung base. On per abdomen evaluation localized fullness in the right lumbar region with a bruise of nearly 5 by 5 cms was present over the right lumbar region, On palpation moderate tenderness was present in right lumbar region with a vague mass, firm in consistency approx. 7 by 7 cms in right lumbar region.

Hematological tests

On admission, blood tests revealed hemoglobin 3.9 gm%, PCV 12.8 %, WBCs 18,000 and Platelets 1.99 lacs. Renal functions test showed Urea 73 mg/dL (15-40), Creatinine 1.44 mg/dL (0.7-1.2) and Electrolytes: Na 126, K 5.02, Cl 97.Serum Proteins was 5.84 with albumin of 3.55.

Radiological Investigations:

- Chest X RAY : Faint Non homogeous opacity in the right hemithorax (Figure 1 and Figure 2).
- Computed Tomography With Angiography Of The Abdomen (Figure 3) :
- large right sided retroperitoneal hematoma.
- Angio-sequences suggested arterial twig enhancement in the right lumbar region with evidence of? active arterial leak with associated blush and increased density of hematoma likely from? lumbar arterial branch (arising at L2-L3 level).
- Mild perihepatic and peri-splenic free fluid was also noted. Mild free fluid is also noted in peri-vesical space and in presacral space with associated stranding (likely tracking fluid in retroperitoneum).
- Moderate right sided pleural effusion with underlying segmental collapse.

Care Plan and Hospital Course:

Patient was found to have severe anemia for which multiple blood transfusions (Packed RBCs and Fresh Frozen Plasma) were given and patient was stabilized. Subsequently, the patient was planned for radiological embolization of lumbar arteries.

Prior to the procedure, the patient developed shortness of breath with fall in oxygen saturation for which a USG Chest was performed which suggested possibility of Right Hemothorax . Intercostal Chest tube insertion was done at bedside in ICU with drainage of approx. 500 ml hemorrhagic fluid.

Patient underwent Radiological Embolization of the Lumbar arteries L1, L2 and L3 with successful arrest of bleeding. Ultrasound guided Pigtail insertion was done in the retroperitoneal hematoma. The procedure was done in General Anaesthesia.

The post operative course was very stormy where he developed features of ARDS initially. The patient was ventilated electively and gradually weaned off ventilatory support in step wise manner after 72 hours.

The patient had persistent hypertension and tachycardia for which pediatric cardiologist opinion was sought and Echo cardiography was performed and he was started on selective beta blocker.

He later developed epistaxis and bleeding near the Central line site (Internal jugular vein) and was managed conservatively with extrinsic compression. Hematology opinion was sought in view of suspected bleeding disorder and Bleeding profile and coagulation factor profile was advised.

Coagulation profile investigations were delayed as patient had received multiple blood product transfusions. The patient had severly deranged coagulation profile with APTT: 32/30, PT: 14, INR: 1.0

Later the patient was diagnosed to have Severe Factor 9 deficiency - less than 2 % (70-120%). Factor 8 and von-Willebrand factor were also assessed and were found to be within normal limits.

On serial USG assessment a large residual loculated hematoma was detected in the retro peritoneum. Pigtail manipulation with Streptokinase injection via pigtail was done following which the retroperitoneal hematoma was drained. Later pigtail was removed after abdominal ultrasound suggested minimal retroperitoneal hematoma collection. Regular physiotherapy was done for restricted movements of right lower limb.

Patient received Factor 9 Transfusions as per his body weight and was discharged on 16/12/2021 to be followed up with Hemato-oncology. Intercostal chest tube was removed after 10 days with proper follow up with CXRs. Family screening was advised. Presently, patient is on regular follow up and is stable with no active bleeding problems .He is on regular physiotherapy and antihypertensives have been withdrawn.

RELEVANT IMAGES

Figure 1: CXR showing non homogenous opacity in the right hemothorax.

Figure 2: CXR after right Intercostal chest tube insertion for right Hemothorax.

Figure 3: CT angiography image showing Contrast leak in the right Lumbar arteries (Arrow).

Conclusions:

- If the history and mode of trauma do not co-relate with the amount of hematoma, a bleeding/coagulation disorder should always be kept in mind.
- Undiagnosed bleeding disorders can present with life threatening manifestations.
- Patients presenting with persistent severe anemia despite multiple blood transfusions along with hematoma and active vascular bleed should always be suspected of a bleeding diathesis.
- Angioembolization of actively bleeding vessels is very rewarding in such patients
- Multidisciplinary involvement with timely Intervention of active vascular bleed can optimize the outcome.

Acknowledgements:

- Dr Rohan Chaphekar and Dr Abhinav khare, Department of general surgery, for help in timely management of hemothorax
- Special thanks to the residents and consultants of Departments of Pediatric medicine, Anaesthesia and pulmonary medicine.

Case Report 2

Management of a Horizontal Root Fracture in the Middle Third with a guarded prognosis via Intra-radicular Splinting Using a Fibre Post- A case report.

Authors: Dr. Shubham Tripathi, Dr. Pallav Patni, Dr. Pradeep Jain, Dr. Ankit Jain, Dr. Swadhin Raghuwanshi, Dr. Sonal Singh Arora, Dr. Sanket Hans Pandey, Dr. Katya Pandey.

CASE HISTORY: A 25-year-old male patient reported to the Department of Conservative Dentistry and Endodontics following trauma to the maxillary and mandibular anterior region due to a road accident around 25 days back. He had a chief complaint of fractured teeth and had a desire to have them restored in order to have an esthetic smile. Clinical examination of the patient revealed crown fracture of the maxillary incisors. (Figure 1).

DIAGNOSIS: A radiograph of the maxillary anterior region illustrated horizontal root fracture at the middle third of the upper left lateral incisor (22) led to a diagnosis of horizontal root fracture in middle third. (Figure 2).

MANAGEMENT: Following patient consent, endodontic treatment with the upper left central and lateral incisors was initiated. The working length was determined and canals were cleaned, shaped using rotary files (NeoEndo) to file size of no. 40.06 and calcium hydroxide dressing was given for 7 days (Figure 3). On the second visit, root canal of 22 was sectionally obturated with 5mm of apical gutta percha cone and Diaproseal sealer (figure 4). Glass fibre post was used to retain the fractured root fragments. Root canal was etched with 37% phosphoric acid gel and dried with paper points. The fibre post was lutted with dual cure resin cement, inserted into the canal without applying any pressure, and light cured for 40 seconds. Composite core was built over the post (figure 5&6). We have achieved excellent results in a case with considerably poor prognosis.

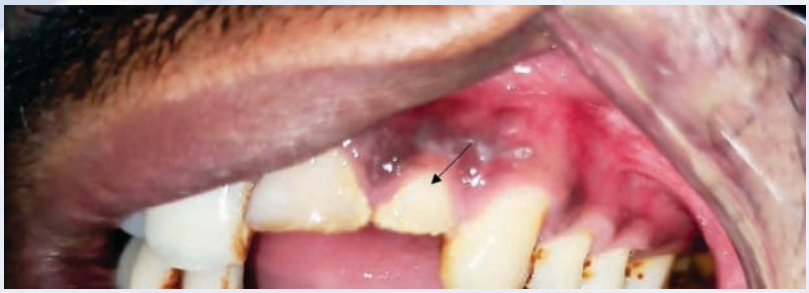

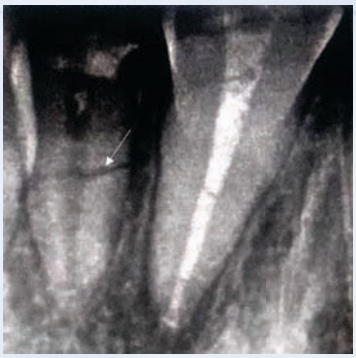

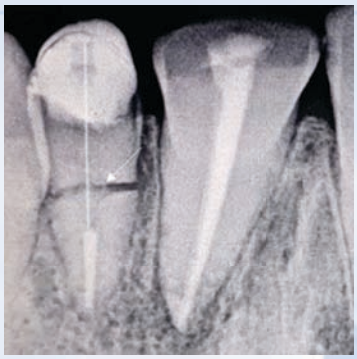

IMA Activities December 2021 – January 2022

IMA Indore has taken an initiative to do Health surveillance of about 5% population of Indore city i.e. 1,00,000 people. Every day few camps will be organized at various places to screen people for Non-communicable diseases.

Activity 1 - Camp 1 on 20-12-2021 at Rajmohalla, Indore 2021
Activity 2 - Camp 2 on 21-12-2021 at Rajmohalla, Indore 2021
Total 750 samples were taken on these 2 days.
Activity 3 - Camp 3 on 22-12-2021 at Community hall, Bhanwarkua, Harijan colony Indore
Activity 4 - Camp 4 on 23-12-2021 at Community hall, Bhanwarkua, Harijan colony Indore
Total 1100 samples were taken on these 2 days.
Activity 5 - Camp 5 on 23-12-2021 at Dada Wadi Gumasta Nagar Indore
Total 100 samples were collected.
Activity 6 - Camp 6 on 24-12-2021 at Nehru Nagar, Bairwa Samaj Community Hall, Indore
Activity 7 - Camp 7 on 24-12-2021 at Nehru Nagar, Bairwa Samaj Community Hall, Indore
Total 1082 samples were taken on these 2 days.
Activity 8 - Camp 8 on 27-12-2021 at Harijan Colony New Palasia, Indore.
Activity 9 - Camp 9 on 28-12-2021 at Harijan Colony New Palasia, Indore.
Activity 10 - Camp 10 on 29-12-2021 at Kalka Mata Mandir Chowk, Haat Maidan Chhawni, Indore.
Activity 11 - Camp 11 on 30 -12-2021 at Kalka Mata Mandir Chowk, Haat Maidan Chhawni, Indore.
Activity 12 - Camp 12 on 02-01-2022 at Gumasta Nagar Jain Temple, Indore.
Activity 13 - Camp 13 on 03-01-2022 at Light optics Pvt Ltd. Polo ground, Indore.
Activity 14 - Camp 14 on 03-01-2022 at Atharwa Packaging Pvt Ltd. Sanwer road, Indore.
Activity 15 - Camp 15 on 04-01-2022 at Nasia ji Dharamshala, Near Sarwate Bus Stand, Indore.
Activity 16 - Camp 16 on 09-01-2022 at Khalsa College, Rajmohala, Indore.
Activity 17 - IMA Indore branch in association with MANIPAL Hospital New Delhi organized a CME on 24 December in Hotel Sayaji,
Speaker was Dr Anurag Saxena who delivered a lecture on Advances in Neurosurgery – from Sufferings to Freedom
Chairperson were - Dr A. Puranik, Dr S Rege and Dr A Bhagwat
Activity 18 - On 26 December 2021 IMA Indore branch organized Executive Committee meeting and Covid compensation cheque distribution at IMA House, MOG lines, Indore.
A small function was organized to handover cheque of INR 5 Lakhs to the family of Dr Shailendra Dubey who lost his life due to Covid Infection. This fund was given by Mankind Pharma.
Activity 19 – 1st January 2022 IMA office bearers met Honorable cabinet Minister Mr Tulsi Silawat for sorting out IMA House land matter.
Activity 20 – 1st January 2022 IMA Office bearers met Smart city CEO Mr Rishav Gupta & discussed about IMA House Land vacating notice & solutions.
Activity 21 – 3rd January 22, 2022 - Indore Collector office has called for an urgent meeting at Residency to get inputs about controlling Covid Infection situation & asked for active help of IMA.
Activity 22 – 3rd January 2022 IMA Office bearers met MP Mr Shankar Lalwani & discussed about IMA House Land vacating notice & solutions.
Activity 23 – 3rd January 2022 IMA Office bearers met MP Indore Collector Mr Manish Singh & discussed about IMA House Land vacating notice & solutions.
Activity 24 - 10th Jan 2022, a National Webinar on COVID - Current Status, New Features, & Recent Management Guidelines conducted by IMA MP State, CGP -MP & IMA Indore branch.
Speakers: Dr Manish Soneja, Addl Professor, Dept of Medicine, AIIMS, Delhi.
Chief Guest: Dr Randeep Guleria, Director AIIMS,
MD, DM- Pulmonary Medicine & Critical Care
Guest of Honor-
Dr Shajanand P Singh, IMA NATIONAL PRESIDENT.
Dr Jayesh Lele- Hon Sec General, IMA National HQ
Dr Avinash Bhondwe - Dean IMA CGP- National HQ
Dr Ravi Wandkherkar- Treasurer World Medical Association, Past National,
Dr Natwar Sarda, Past Dean IMA (CGP- National)

Dr.Manish Maheshwari
Secretary IMA

Sri Aurobindo University

Sri Aurobindo Medical College & Postgraduate Institute

Sri Aurobindo College of Dentistry

Sri Aurobindo Institute of Allied Health & Paramedical Sciences

Sri Aurobindo Institute of Speech & Hearing

Bhandari Hospital & Research Centre

Bhandari Hospital Pardeshipura

Indore Institute of Medical Sciences

SAIMS College of Nursing, Indore

BHRC School of Nursing

Enhancing Competence LASER Learning Academy of Simulated Education & Research

Mohak Hitech Speciality Hospital

Rx Telepharmacy (Retail chain of pharmacy outlets)

Bhandari Group of Hospitals & Institutions Pvt. Ltd.

SAIMS TIMES

Editor-in-Chief, Publisher, Printer and owner Dr. Vinod Bhandari.

Printed at Agniban 121 Devi Ahilya Marg, Indore, Publish By Saims Campus Indore Ujjain State Highway, Sanwer Road, Indore M.P. Ph.: 0731-4231000

Web : www.saimsonline.com Email : saimstimes@saimsonline.com